सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 322 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 3 जनवरी, 2024

मूल्य ₹ 3/-

दुनिया में किसी भी व्यक्ति को भ्रम में नहीं रहना चाहिए। बिना गुरु के कोई भी दूसरे किनारे तक नहीं जा सकता है।
–श्री गुरु नानक देव

टूटा भारतीय महिला क्रिकेट टीम... 7 | विपक्षी गठबंधन को लड़ानी होगी... 3 | नीतीश को संयोजक बनाए जाने... 2

केजरीवाल का ईडी के सामने एकबार फिर पेश होने से इंकार

दिल्ली में आप-बीजेपी ने एक-दूसरे पर खींची तलवार

- मुख्यमंत्री बोले- समन गैरकानूनी, आप ने कहा- चुनाव के पहले नोटिस क्यों
- जांच एजेंसी ने तीसरी बार समन जारी किया था
- भाजपा बोली- भाग रहे सीएम, कांग्रेस ने कहा मोदी सरकार कर रही परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने एकबार फिर ईडी के सामने जाने से इंकार कर दिया है। उन्होंने ईडी की कार्रवाई को गैरकानूनी बताते हुए कहा है कि चुनाव नजदीक आते ही बीजेपी विपक्षियों को परेशान करने लगती है। वहीं भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि आप के संयोजक ने शराब में घोटाला किया है अब वह बहाने कर रहे हैं।

दरअसल, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल आज भी ईडी के सामने पेश नहीं होंगे। ईडी ने उन्हें तीसरी बार समन पेश कर आज यानी 3 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया था। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले नोटिस क्यों जारी किया गया है। आप के 3 नेता सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह शराब नीति केस में जेल में हैं। इसके पहले ईडी ने दो समन भेजकर 2 नवंबर और 21 दिसंबर को केजरीवाल पेश होने को कहा था। लेकिन, केजरीवाल ने इन दोनों समन को गैरकानूनी और राजनीति से प्रेरित बताते हुए ईडी के सामने पेश होने से इनकार कर दिया था। 21 दिसंबर का समन मिलने के बाद केजरीवाल 10 दिन के विपश्यना के लिए पंजाब के होशियारपुर चले गए थे। अरविंद केजरीवाल 30 दिसंबर को पंजाब के होशियारपुर के विपश्यना मेडिटेशन सेंटर से लौटे। उनके साथ पंजाब सीएम भगवंत मान भी थे।

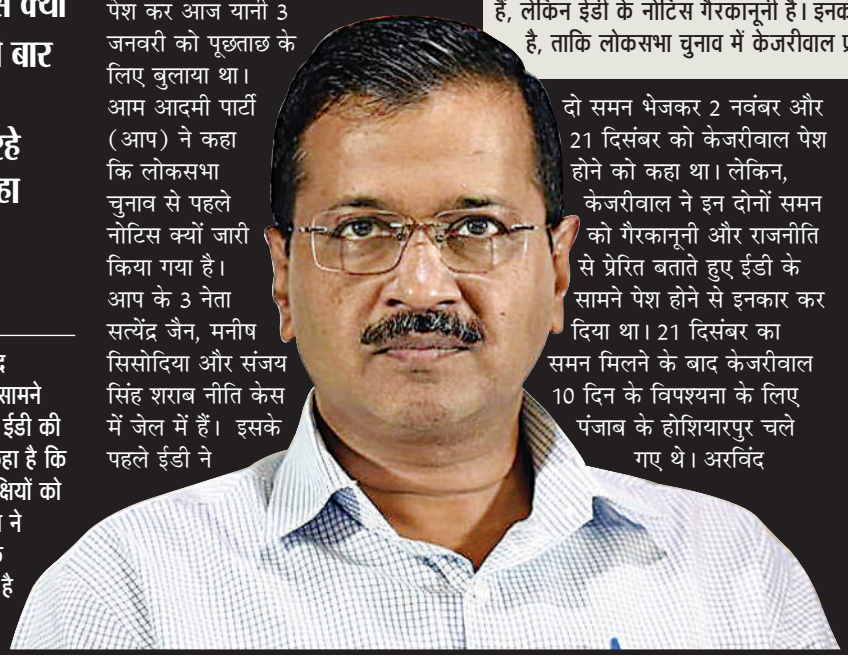

ईडी की जांच में सहयोग करने को तैयार : आप

आम आदमी पार्टी ने बुधवार को कहा- हम ईडी की जांच में सहयोग करने के लिए तैयार हैं, लेकिन ईडी के नोटिस गैरकानूनी है। इनकी मंशा केजरीवाल को गिरफ्तार करने की है, ताकि लोकसभा चुनाव में केजरीवाल प्रचार न कर सकें।

सीएम के पत्र का ईडी ने अबतक नहीं दिया जवाब : आतिशी

दिल्ली की मंत्री और आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा कि दो बार समन मिलने के बाद अरविंद केजरीवाल ने ईडी को पत्र लिखकर पूछा कि एजेंसी ने उन्हें क्यों बुलाया? ईडी ने अब तक अरविंद केजरीवाल के सवालों का जवाब नहीं दिया है। ईडी के अधिकारी भी जानते हैं कि समन अवैध है, वे सच नहीं बता सकते कि उन्हें बीजेपी कार्यालय से आदेश मिला है...आज केवल इंडिया ब्लॉक के लोगों को बुलाया गया है। डेढ़ साल की जांच के बावजूद एक रुपये का भी सबूत नहीं मिला...ये समन सिर्फ लोकसभा चुनाव के कारण है। लोकसभा चुनाव के लिए सभी पार्टियां एक साथ आ रही हैं और इसलिए बीजेपी ईडी के जरिए विपक्ष को खत्म करना चाहती है।

विपक्षी नेताओं पर दबाव डाल रही जांच एजेंसी : उदित राज

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के आज ईडी के समन में शामिल नहीं होने पर कांग्रेस नेता उदित राज ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा- ईडी झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के सहयोगियों के यहां छापेमारी कर रही है। चुनाव से ठीक पहले छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को ईडी के नोटिस भेजे गए थे और झूठे आरोप लगाए गए थे। वहीं अरविंद केजरीवाल भी विपक्षी गठबंधन का हिस्सा हैं। यह सच है कि ये एजेंसियां अपना काम नहीं कर रही हैं, बल्कि विपक्षी नेताओं पर दबाव डाल रही हैं।

अपराधियों की तरह छिपते फिर रहे हैं केजरीवाल : शहजाद

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा- आज भी केजरीवाल ईडी के सामने पेश नहीं होने से यह समझ आता है कि उनके पास कुछ छिपाने के लिए है। वह अपराधियों की तरह छिपते फिर रहे हैं। अदालतों ने मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को जमानत नहीं दी है और अदालतों ने माना कि पैसे का लेन-देन हुआ है। जांच एजेंसी के सामने पेश होने से अरविंद केजरीवाल कतरा रहे हैं। चोर की मूंछ में तिनका जरूर है, अब विक्टिम कार्ड खेलने से कुछ नहीं होगा। आपकी चहेती कांग्रेस ने खुद कहा है कि शराब घोटाला हुआ है और हमने शिकायत दर्ज करवाई है।

कभी-कभी राजतिलक की प्रतीक्षा करते रहिए और मिल जाता है वनवास : शिवराज

- भावुक पूर्व सीएम बोले- वर्तमान बीजेपी सरकार पूरे करेगी वादे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान काफी भावुक नजर आए और कहा कि कभी-कभी कोई व्यक्ति राजतिलक (राज्याभिषेक) की प्रतीक्षा करते हुए वनवास में पहुंच जाता है। ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा की भारी जीत के बाद, पार्टी ने शिवराज सिंह चौहान की जगह मोहन यादव को मुख्यमंत्री का पद सौंपा। नवंबर 2023 को बीजेपी को मिली जीत के बाद अब प्रदेश की कमान सीएम मोहन यादव के हाथों में है।

दरअसल, चौहान जब जनसभा को संबोधित कर रहे थे, उस दौरान वहां बैठी कुछ महिलाएं चिल्लाईं भैया (भाई), हमें अकेला छोड़कर कहीं मत जाओ। इस पर भावुक होकर चौहान ने जवाब दिया कि मैं कहीं नहीं जाऊंगा। मैं यहीं जिऊंगा और यहीं मरूंगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार द्वारा शुरू किए गए सभी कार्य, जिनमें लाडली बहना योजना (महिला कल्याण के लिए), लाडली बहना योजना के लाभार्थियों के लिए आवास योजना, प्रत्येक परिवार में एक नौकरी की योजना और किसानों से किए गए वादे शामिल हैं, जिसे वर्तमान सरकार पूरा करेगी। नई सरकार इन सभी कार्यों को आगे बढ़ाएगी।

भाजपा झूठी अफवाहें फैला रही है : हेमंत सोरेन

- सीएम बोले- पत्नी को सीएम बनाने की बातें कोरी कल्पना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। सोरेन ने गांडेय विधानसभा सीट से पत्नी कल्पना सोरेन के चुनाव लड़ने के कयासों को खारिज करते हुए इसे भाजपा की 'कोरी कल्पना करार दिया। सोरेन ने कहा कि इन कयासों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कि कहा, ''मेरी पत्नी के निकट भविष्य में चुनाव लड़ने की संभावना पूरी तरह से भाजपा की कोरी कल्पना है। उन्हें सत्ता सौंपने की अटकल भाजपा द्वारा गलत विमर्श पेश करने के लिए फैलायी गयी है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा हाल ही में मुख्यमंत्री को भेजे गए समन और सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के गांडेय से विधायक सरफराज अहमद के सोमवार को अचानक इस्तीफे से ये अटकलें तेज हो गईं। विपक्षी भाजपा ने दावा किया है कि अहमद को पद छोड़ने के लिए मजबूर किया गया ताकि ईडी जांच से उत्पन्न किसी स्थिति में मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना सोरेन गांडेय सीट से चुनाव लड़ सकें। लाभ के पद से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले में ईडी द्वारा समन भेजे जाने के बाद से सोरेन राजनीतिक विवादों में घिर गए हैं। इसके अलावा, चुनाव आयोग ने अगस्त 2022 में झारखंड के तत्कालीन राज्यपाल रमेश बैस को एक पत्र भेजा था, जिसमें माना जाता है कि उन्हें विधायक के रूप में अयोग्य घोषित करने की सिफारिश की गई थी।

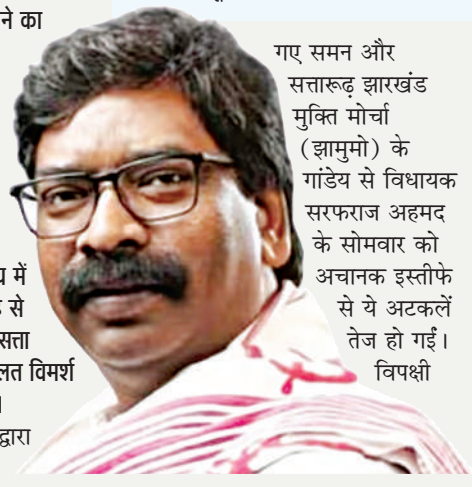

झारखंड सीएम के करीबियों के 12 ठिकानों पर छापेमारी

झारखंड में सियासी हलचल के बीच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को सीएम हेमंत सोरेन के मीडिया सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू के ठिकानों पर रेड की है। ईडी ने अवैध खनन से जुड़ें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रांची में मुख्यमंत्री के कुछ करीबी सहयोगियों के घर भी दबिश दी है। इसमें आईएएस और साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव (राजस्थान, साहिबगंज), खोदनिया ब्रदर्स (साहिबगंज), पूर्व विधायक पप्पू यादव शामिल हैं।

नीतीश को संयोजक बनाए जाने की चर्चा पर गरमाई राजनीति

» बीजेपी बोली- नीतीश का जनाधार खत्म हो चुका है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। इंडिया गठबंधन में सीएम नीतीश कुमार को संयोजक बनाए जाने की चर्चा है। इस पर बीजेपी ने प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को कहा कि नीतीश कुमार को संयोजक बनाए या ना बनाए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। नीतीश का जनाधार खत्म हो चुका है। मोदी के सामने कोई चेहरा ही नहीं है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नीतीश कुमार और कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के बड़े नेताओं की कल यानी 3 जनवरी को ज़ूम एप्प पर बात होगी। इंडिया गठबंधन में नीतीश की अहम भूमिका को देखते हुए कांग्रेस के बड़े नेता संयोजक बनाने का प्रस्ताव दे सकते हैं। इसको लेकर कांग्रेस ने विपक्षी प्रमुख दल के बड़े नेताओं से चर्चा कर चुकी है। सभी विपक्षी दल के प्रमुख इस पर सहमति भी दे चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि जेडीयू नेता नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन से नाराज चल रहे हैं। ऐसे में इंडिया गठबंधन के टॉप नेताओं और बिहार के मुख्यमंत्री की वर्चुअल बैठक हो सकती है। इस बैठक में नीतीश कुमार को संयोजक बनाने पर सहमित बन सकती है, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई प्रमुख नेता इस बैठक में हिस्सा ले सकते हैं। इस बैठक को लोकसभा चुनाव के लिए बेहद अहम बताया गया था। इस बात की भी खबरें आईं कि कांग्रेस ने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से भी इस संबंध में राय ली है। इसके अलावा शरद पवार और उद्धव ठाकरे से भी इस संबंध में बात की गई है। दिल्ली में जब इंडिया गठबंधन की बैठक हुई थी, तभी से नीतीश कुमार के नाराज होने की खबरें आने लगी थीं।

आरजेडी ने जताई खुशी तो जेडीयू ने किया इनकार

नीतीश को इंडिया गठबंधन में संयोजक बनाए जाने की चर्चा पर बिहार की राजनीति गरमा गई है। इसको लेकर जमकर बयानबाजी हो रही है। इस चर्चा पर आरजेडी के विधायक भाई वीरेंद्र ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि हम तो चाहते हैं कि बिहार को हर पद मिले। ये तो गठबंधन के शीर्ष नेतृत्व तय करेगा। नीतीश कुमार को बनना ही चाहिए। हालांकि जेडीयू नेता संजय झा ने इंडिया गठबंधन के अंदर नीतीश कुमार को मिलने वाली विशेष जिम्मेदारी को लेकर कहा कि जानकारी नहीं है, आगे उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन पूरी तरह एकजुट है।

सारी खबरें मीडिया क्रिएशन : मीम अफजल

कांग्रेस ने अब इन बातों को खारिज कर दिया है। कांग्रेस नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद मीम अफजल ने कहा है कि इंडिया गठबंधन की बैठक और नीतीश कुमार को संयोजक बनाने की खबरें मीडिया क्रिएशन है। मीम अफजल ने पंजाब के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता भगवंत मान के उस बयान पर भी जवाब दिया, जिसमें मान ने कहा था कि एक थी कांग्रेस। पूर्व राज्यसभा सांसद ने कहा कि भगवंत मान को देखकर एक था कॉमेडियन याद आता है। दरअसल, भगवंत मान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस संग गठबंधन को लेकर चुटकी लेते कहा कि पंजाब और दिल्ली की माताएं अपने बच्चों को एक बहुत छोटी कहानी सुना सकती हैं।

40 प्रतिशत नेतृत्व तिहाड़ जेल में और बाकी जाने को तैयार बैठा है: संदीप

» मान के बयान पर कांग्रेस भड़की, आप को समझ नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के आई.एन.डी.आई. गठबंधन पर दिए गए बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि बड़े गठबंधन में आने के जितने तौर तरीके हैं, उसकी समझ आम आदमी पार्टी को नहीं है। आने वाले समय में माताएं ये भी कहेंगी कि एक पार्टी थी जो आज कल तिहाड़ जेल में मिलती है।

ऐसी कौन सी पार्टी है जिसका 40 प्रतिशत नेतृत्व जेल में हो और बाकी जाने के लिए तैयार बैठा हो? उल्लेखनीय है कि आगामी 2024 लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ दल को चुनौती देने के लिए विपक्षी दलों की ओर से आई.एन.डी.आई. गठबंधन बनाया गया है। इस विपक्षी एकता को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। अब ताजा मामले में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं ने एक-दूसरे पर तीखे जुबानी हमले किए हैं। बता दें कि बीते सोमवार यानी 1 जनवरी को भगवंत मान के सीएम ने पंजाब कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस नेता गठबंधन के खिलाफ हैं और उनको अंदेशा है कि अगर ऐसे गठबंधन से पंजाब में चुनाव लड़ा जाएगा तो कांग्रेस का पंजाब से सुपड़ा साफ हो जाएगा।

नेहरू नहीं पटेल की नीति पर चलेगी सरकार: जयशंकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि शुरुआत से ही जवाहर लाल नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल के बीच चीन को कैसे जवाब दिया जाए इस मुद्दे पर तीव्र मतभेद रहा है। मोदी सरकार चीन से निपटने में सरदार पटेल द्वारा शुरू की गई यथार्थवाद की नीति के अनुरूप काम कर रही है। हमने ऐसे रिश्ते बनाने की कोशिश की है जो आपसी संबंधों पर आधारित हों। जब तक उस पारस्परिकता को मान्यता नहीं दी जाती, इस रिश्ते का आगे बढ़ना मुश्किल होगा।

भारत के पहले गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री सरदार पटेल और पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के दृष्टिकोण में अंतर बताते हुए जयशंकर ने दोनों दिग्गजों के बीच मतभेद पर जोर डालते हुए कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सीट को लेकर यह मेरा मामला नहीं है कि हमें अनिवार्य रूप से सीट लेनी चाहिए थी, यह एक अलग बहस है, लेकिन यह कहना कि हमें सीट को हासिल करने का मौका पहले चीन को जाने देना चाहिए। चीन का हित पहले आना चाहिए, यह एक बहुत ही अजीब बयान है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आगे कहा, ताली बजाने के लिए दो हाथों की जरूरत होती है।

भगवान से बड़े नहीं हैं सीएम : अखिलेश

» बोले- भगवान बुलाएंगे तो अयोध्या जरूर जाऊंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अयोध्या जाने के सवाल पर कहा कि अयोध्या में भगवान राम का कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री भगवान से बड़े नहीं हो सकते। भगवान जिसे बुलाएंगे, वही अयोध्या जा सकेगा। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि भगवान कब किसे बुला लें, कोई नहीं जानता। सपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के कायक्रम पर अखिलेश ने प्रदेश सरकार पर ये तंज कसे।

सपा मुख्यालय पर अखिलेश यादव ने कहा कि भगवान के कार्यक्रम में भाजपा तय कर रही है कि मेहमान कौन होगा। कौन आएगा और कौन नहीं आएगा। बाकायदा सूची बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि वह भाजपा के निमंत्रण का इंतजार नहीं रहे हैं। अगर भगवान बुलाएंगे तो जरूर जाएंगे। इससे पहले प्रदेश मुख्यालय पर सपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ ने नव वर्ष पर गीत और संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया। अखिलेश यादव ने कलाकारों को प्रोत्साहित किया और देर तक उनके गीत सुने। पूर्व सांसद एवं हिंदी संस्थान के पूर्व अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने कहा कि कवि एवं लेखक क्रांति का संदेश देते है। उन्होंने अपनी कविताओं का पाठ भी किया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री बलराम यादव और राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व सांसद विशंभर प्रसाद निषाद, समाजवादी पार्टी केरल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ साजी पोथेन थामस, नूरपुर से सपा विधायक राम अवतार सैनी, विधायक आशु मलिक, रविदास मेहरोत्रा, एमएलसी जासमीर अंसारी आदि थे।

स्वामी के जन्मदिन पर अखिलेश ने रक्तदान शिविर में लिया भाग

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मंगलवार को स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ अचानक किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वद्यालय पहुंचे। दोनों नेता कुशवाहा समाज के रक्तदान शिविर में भाग लेने आए थे। कुशवाहा समाज की ओर से हर साल नए साल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। रक्तदान शिविर का शुभारंभ करने के बाद गांधी वार्ड के सामने कंबल वितरण भी किया। दोनों नेताओं ने इस मौके पर लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। केजीएमयू का ब्लड एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन शताब्दी फेज 2 के भवन में है। भवन पहुंचकर उन्होंने विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो तूलिका चंद्रा ने अखिलेश यादव का स्वागत किया। अखिलेश यादव ने कहा कि पहली बार वे यहां पर आए हैं। इस पर विभागाध्यक्ष ने बताया कि आपने ही इस भवन का उद्घाटन किया था।

जांच एजेंसियां एंटी बीजेपी चेहरों को घेरने की कोशिश करेंगी : झा

» राजद नेता ने बोला भाजपा पर जमकर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता मनोज झा ने पटना में भाजपा पर जमकर हमला बोला। इस दौरान मनोज झा ने कहा कि अगले चार महीने में ईडी, एनआईए और सीबीआई एंटी बीजेपी चेहरों को घेरने की कोशिश करेगी, पुख्ता सूत्रों से ये जानकारी मिली है।

साथ ही उन्होंने कहा कि हमने कभी तराजू पर तोलकर लाभ-हानि की राजनीति नहीं की है कि जो पलड़ा भारी दिखे वहीं चले जाओ। राष्ट्रीय जनता दल ने भविष्यवाणी की हैं कि अगले तीन हफ्ते मतलब 22 जनवरी तक में जांच एजेंसी सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स उन सभी नेताओं जो बीजेपी के विरोध में हैं, जिसमें बिहार के उपमुख्य मंत्री तेजस्वी यादव, झारखंड के मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ बड़ी कारवाई कर सकते हैं। पटना में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज झा ने कहा कि ये छापेमारी और संभावित रूप से गिरफ्तारी का दौर लोकसभा चुनाव तक चल सकता हैं।

कानून तय करेगा केजरीवाल कहां से चलाएंगे सरकार

नई दिल्ली। भाजपा के दिल्ली प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर उनके उस बयान को लेकर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अपना पद छोड़ने के लिए तैयार हैं। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में ईडी ने सीएम और आप के राष्ट्रीय संयोजक को तीसरी बार तलब किया है। मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए, सचदेवा ने दिल्ली के सीएम पर कटाक्ष करते हुए कहा कि केजरीवाल जिस हस्ताक्षर अभियान की बात कर रहे हैं वह पहले ही दिल्ली में फ्लॉप और नॉन-स्टार्टर साबित हो चुका है।

विपक्षी गठबंधन को लड़ानी होगी जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» लोक सभा चुनाव सर पर, सीटों पर नहीं बन पा रही बात
» कांग्रेस को रणनीति बनाने में करनी होगी तेजी
» भाजपा को हराने के लिए एकजुटता जरूरी
» सहयोगी दलों की बात मानें कांग्रेस नेतागण

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव इसी साल होने हैं। जहां सत्ता पर काबिज बीजेपी राम मंदिर व सनातन धर्म के सहारे तीसरी बार फिर सरकर बनाने की जुगत भिड़ा रही है वहीं प्रमुख विपक्षी गठबंधन इंडिया अपने सहयोगियों को एक नही कर पा रा रही है। इंडिया का सबसे बड़ा दल कांग्रेस अभी तक अपने सहयोगियों को सहेज नहीं पाया है।

ज्ञात हो कि पंजाब, बंगाल, बिहार व महाराष्ट्र ऐसे राज्य है जहां इंडिया गठबंधन का पलड़ा भारी है। इन राज्यों कांग्रेस की अपेक्षा आप, जदयू-राजद, शिवसेना यूबीटी व एनसीपी शरद गुट तथा टीएमएसी व वामदल की स्थिती मजबूम है। आंकड़ों के हिसाब से इन राज्यो बीजेपी की अपेक्षा के क्षेत्रीय दल मजबूत हैं। एक बात और गौर करने वाली है इन राज्यो में कांग्रेस को कुछ चुनावों में लाभ मिल रहा है। इन सबके बीच टीएमसी,आप या फिर कोई अन्य विपक्षी दल सभी 2024 में आने-अपने दनल के प्रत्याशी की जीत सुनिश्चत कर रह हैं। कुल मिलाकर विपक्ष को बहुत तेजी ये ही अपनी रणनीति पर काम करना होगा ताकि लोक सभा चुनाव में उसे लाभ हो सके। बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि टीएमसी आगामी लोकसभा चुनाव में राज्य में भाजपा के खिलाफ लड़ाई की अगुवाई करेगी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी ने राज्य के पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा विपक्षी दलों के नेताओं पर चोर का ठप्पा लगा रही है। उन्होंने कहा कि देश में एक ऐसी व्यवस्था बन गयी है जहां लोकतंत्र का संचालन केंद्रीय एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है। ममता ने कहा, '' माकपा, भाजपा और कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में गठबंधन बनाया है और सक्रिय रूप से हमारे खिलाफ प्रचार कर रहे हैं।

बंगाल में बीजेपी को रोकेगी टीएमसी

विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) राष्ट्रव्यापी स्तर पर भाजपा का मुकाबला करेगा जबकिपश्चिम बंगाल में भाजपा के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व टीएमसी करेगी। उन्होंने कहा,''भाजपा नागरिकता के मुद्दे का इस्तेमाल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए कर रही है। भाजपा इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रही है।पहले, जिलाधिकारी नागरिकता से जुड़े मामलों का फैसला करते थे, लेकिन अब उनसे ये शक्तियां छीन ली गई हैं। यदि लोगों के पास नागरिकता नहीं होगी, तो वे सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ कैसे उठा पाएंगे? ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नागरिकता को लेकर दिए गए एक बयान के जवाब में यह टिप्पणी की है। अमित शाह ने मंगलवार को एक बयान में कहा था कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के कार्यान्वयन को कोई नहीं रोक सकता क्योंकि यह देश का कानून है। शाह ने बनर्जी पर इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने का भी आरोप लगाया था।

उद्धव सेना ने महाराष्ट्र में कांग्रेस को दिखाई आंख

कांग्रेस ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में सहयोगी दल शिवसेना (यूबीटी) की 23 सीटों की मांग खारिज कर दी है। यह घटनाक्रम तब हुआ जब नेताओं ने लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के सहयोगियों- शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और राकांपा के बीच सीट बंटवारे पर चर्चा की। दो गुटों में बंटी शिवसेना ने महाराष्ट्र की 48 सीटों में से 23 पर दावा किया, बावजूद इसके कि उसके अधिकांश सदस्य एकनाथ शिंदे के पक्ष में थे। कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने कहा कि शिवसेना के उद्धव ठाकरे के गुट को एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि पार्टी के विभाजन के कारण उसके पास पर्याप्त उम्मीदवारों की कमी है।बैठक में कांग्रेस प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि शिवसेना और शरद पवार की राकांपा में विभाजन के बाद, सबसे पुरानी पार्टी राज्य में स्थिर वोट शेयर वाली एकमात्र पार्टी प्रतीत होती है। पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने कहा कि पार्टियों के बीच समायोजन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हालांकि हर पार्टी सीटों की बड़ी हिस्सेदारी चाहती है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए शिवसेना की 23 सीटों की मांग अत्यधिक है। संजय निरुपम ने कहा कि नेताओं को जीतने वाली सीटों पर विवाद से बचना चाहिए।

पंजाब में नहीं बनेगी आप व कांग्रेस में बात

पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के गठबंधन की संभावना कम है। वहीं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कांग्रेस पर तंज कसा था। मान ने कहा था, पंजाब और दिल्ली में मां अपने बच्चे को सबसे छोटी कहानी सुना सकती है। एक थी कांग्रेस इसको लेकर कांग्रेस ने भी पलटवार किया था। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने मान के बयान पर कहा था कि आप के सामने दिक्कत ये है कि इन्हें पता नहीं है कि सार्वजनिक पटल पर क्या बोलना है। इनके पास कोई सीख नहीं है कि कैसे व्यवहार करना चाहिए है। पिछले सात-आठ सालों में आप बीजेपी की बी टीम की तरह काम कर रही थी। ये लोग(आप) इस बात को हजम नहीं कर पा रही है कि ये लोग गठबंधन इंडिया में शामिल है। इससे पहले भी जब पंजाब कांग्रेस के नेताओं के साथ खरगे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने मीटिंग की थी तो इसमें भी आप के साथ गठबंधन की संभावना कम जताई गई थी, दरअसल, पंजाब और दिल्ली में आप की सरकार है। कांग्रेस और आप विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा है।

सीट बंटवारे पर खरगे को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 के लिए विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए कांग्रेस ने सीट शेयर का फॉर्मूला तैयार कर लिया है। जिसकी रिपोर्ट कल यानी बुधवार (3 जनवरी) को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सौंप दी जाएगी। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि कांग्रेस 9 राज्यों में गठबंधन करने जा रही है। इसके साथ ही पंजाब में गठबंधन की संभावना बेहद कम नजर आ रही है. मामले पर कांग्रेस प्रदेश इकाइयों से चर्चा कर चुकी है और रिपोर्ट लगभग बनकर तैयार है, जो कल सौंप दी जाएगी। इसके बाद कांग्रेस नेतृत्व सीट बंटवारे को लेकर सहयोगी दलों से बात करेगा। जिन राज्यों में कांग्रेस अपने सहयोगी दलों से गठबंधन कर सकती है वो कुछ इस तरह हैं- जम्मू कश्मीर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, केरल और तमिलनाडु. एक तरफ जहां कांग्रेस दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) के साथ गठबंधन कर सकती है तो वहीं पंजाब में इसकी संभावना कम नजर आ रही है।

दक्षिण में कांग्रेस बिगाड़ सकती है भाजपा का खेल

देखा जाए तो कांग्रेस दक्षिण में मजबूत है। कर्नाटक व तेलंगाना में उसकी सरकार है। केरल व तमिलनाडु भी बीजेपी पर कांग्रेस ही भारी है। वहीं आंध्र प्रदेश में वाईएसआरटीपी कांग्रेस में होगी विलय इसके अलावा आंध्र प्रदेश में वाईएस शर्मिला अपनी पार्टी वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का कांग्रेस में विलय कर सकती हैं। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि इस सप्ताह के आखिरी में वो दिल्ली आएंगी और यहीं आधिकारिक ऐलान किया जाएगा। वाईएस शर्मिला को राज्यसभा, एआईसीसी महासचिव और आंध्र प्रदेश के पीसीसी की पेशकश की गई थी। शर्मिला कांग्रेस के ऑफर पर सहमत हो गई हैं। गौरतलब है कि इस साल आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में कांग्रेस शर्मिला को बड़ी जिम्मेदारी देकर राज्य में फिर से खड़ा होने की कोशिश करेगी। इससे पहले तेलंगाना विधानसभा चुनाव के दौरान भी शर्मिला ने कांग्रेस का समर्थन किया था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

एकबार फिर कटघरे में यूपी की कानून व्यवस्था

राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इनमें 50 प्रतिशत से अधिक मामले यूपी से रिपोर्ट किए गए। सबसे ज्यादा शिकायतें गरिमा के अधिकार श्रेणी में मिलीं। महिला आयोग ने बताया कि घरेलू हिंसा के अलावा अन्य श्रेणियों के तहत भी उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई गई।

सरकारों द्वारा कानून व्यवस्था को दुरुस्त होने की बात बार-बार कही जाती है पर जब अपराधों केआंकड़े आते हैं तो उनकी कलई खुल जाती है। अब ही हाल में देश के सबसे बड़े राज्य के आंकड़े महिला आयोग ने जारी किए है। इसमें बताया गया है कि इस प्रदेश में पिछले साल महिला अपराधों में जबर्दस्त उछाल हुआ है। इस राज्य में इन अपराधों में देश के सभी राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। जबकि राज्य की वर्तमान सरकार हर मंच से कहती है कि अपराध के लिए सूबे में कोई जगह नहीं है जबकि इन आंकड़ों ने आईना दिखा दिया है। वहीं सबसे बड़ी विंडबना की बात यह है इसी सूबे में पीएम के संसदीय क्षेत्र के प्रतिष्ठित बीएचयू में एक युवती के साथ दो महीने पहले दुराचार होता है और प्रदेश की सबसे तेज पुलिस ने उस केस के दोषियों को पकड़ने में 66 दिन लगा देती है पर केस को उलझाए रखती है। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इनमें 50 प्रतिशत से अधिक मामले यूपी से रिपोर्ट किए गए।

सबसे ज्यादा शिकायतें गरिमा के अधिकार श्रेणी में मिलीं। महिला आयोग ने बताया कि घरेलू हिंसा के अलावा अन्य श्रेणियों के तहत भी उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई गईं। राष्ट्रीय महिला आयोग के मुताबिक महिलाओं के खिलाफ दहेज उत्पीड़न आज भी जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता, दुष्कर्म, यौन उत्पीड़न का प्रयास भी चिंताजनक तस्वीर पेश करता है। इन श्रेणियों में भी बीते 12 महीने के दौरान सैकड़ों मामले दर्ज किए गए हैं। महिला आयोग ने बताया कि सबसे ऊपर उत्तर प्रदेश है। दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली है। महाराष्ट्र, बिहार और मध्य प्रदेश क्रमश, तीसरे और चौथे और पांचवें नंबर पर हैं। उधर आईआईटी बीएचयू की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार तीनों भाजपा नेताओं की चर्चा हर तरफ हो रही है। कांग्रेस नेताओं व समाजिक संघों की ओर से की पीड़ित छात्रा के लिए न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन जारी है। बता दें कि प्रदर्शन को लेकर पहले ही गुरुधाम चौराहे से पीएमओ कार्यालय तक छावनी में तब्दील हुआ। वहीं चप्पे- चप्पे पर पुलिस फोर्स बल तैनात है। आईआईटी बीएचयू की घटना में पकड़े गए आरोपियों की भाजपा नेताओं के साथ बीएचयू परिसर में जगह- जगह पोस्टर चस्पा किया गया है। प्रदर्शन कर रहे लोगों को काबू करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए। उन्होंने छात्रा के लिए न्याय की मांग करते हुए आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की। यूपी पुलिस के काम पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। सरकार को अब फिर से अपने कानून व्यवस्था की समीक्षा करनी होगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ निर्णायक जंग अभी बाकी

पंकज चतुर्वेदी

मध्य प्रदेश की नई सरकार के गठन के बाद विभिन्न धार्मिक स्थलों से अभी तक करीब 28 हजार ध्वनि विस्तारक यंत्र यानी लाउडस्पीकर उतारे जा चुके हैं, वहीं हजारों लाउडस्पीकरों की आवाज भी कम करवा दी गई है। यह कदम महज बेवजह के शोर के खिलाफ ही नहीं है, यह धर्म-सम्मत भी है और पर्यावरण संरक्षण के लिए अनिवार्य भी। हालांकि समय-समय पर अदालतें इस बारे निर्देश देती रही हैं लेकिन पहले उत्तर प्रदेश और अब मध्य प्रदेश सरकार की प्रबल इच्छा शक्ति से इस दिशा में ठोस फैसले लागू किये। फिर भी यह ध्वनि प्रदूषण के बढ़ते खतरे के बीच कोई निर्णायक जंग नहीं है। नए साल की रात में ही देश के छोटे से कस्बे से लेकर महानगर तक डीजे, कार में संगीत और आतिशबाजी ने करीब एक घंटे शोर कर कानूनों को बुरी तरह ठेंगा दिखाया। अभी भी सड़कों पर जुलूस या फिर विवाह आदि की आड़ में कानफोडू डीजे बजाने पर पाबंदी नहीं है।

एक बात समझनी होगी कि ध्वनि से उत्पन्न पर्यावरण-संकट किसी भी स्तर पर वायु प्रदूषण से होने वाले नुकसान से कम नहीं है। यह शारीरिक और मानसिक दोनों किस्म के विकार का जनक है। इंसान के कानों की संरचना कुछ ऐसी है कि वे एक निश्चित सीमा के बाद ध्वनि की तीव्रता को सह नहीं सकते। जानवर और पशु-पक्षी तो इस मामले में और अधिक संवेदनशील हैं। आवाज की तीव्रता को मापने की इकाई 'डेसीबल', है। हमारे कानों के लिए 45 डेसीबल से अधिक की आवाज खतरनाक है। एक फुसफुसाहट लगभग 30 डीबी है, सामान्य बातचीत लगभग 60 डीबी, और मोटरसाइकिल इंजन का चलना लगभग 95 डीबी है। लंबे समय तक 70 डीबी से ऊपर का शोर आपकी सुनने की क्षमता को नुकसान पहुंचाना शुरू कर सकता है। वहीं 120 डीबी से अधिक तेज शोर आपके कानों को तत्काल नुकसान पहुंचा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था-आप किसी शोर को सुनना चाहते हैं या नहीं, यह तय करने का आपको पूरा अधिकार है लेकिन सड़क पर चीखते-चिल्लाते लोगों या साझा तिपहिया में बजते कानफोडू स्टीरियो आदि को इस आदेश की कतई परवाह नहीं। ध्वनि प्रदूषण से हमारे सुनने का तंत्र तो क्षतिग्रस्त होता ही है, हमारी धमनियों के सिकुड़ने का भी खतरा होता है। अनिद्रा, एसिडिटी, अवसाद, हाई बीपी, चिड़चिड़ापन तो होता ही है। जर्मनी के ड्रेस्डन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के आंद्रियास सिडलर ने शोध में बताया कि यातायात के शोरगुल से हृदयाघात का खतरा बढ़ जाता है।

कुछ साल पहले जबलपुर हाईकोर्ट ने जीवन में शोर के दखल पर गंभीर फैसला

सुनाया था, जिसके तहत त्योहारों में सार्वजनिक मार्ग पर लाउडस्पीकरों को प्रतिबंधित कर दिया था। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अजय माणिकराव खानविलकर व जस्टिस शांतनु केमकर की डिवीजन बेंच ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद आदेश किया था कि त्योहार या सामाजिक कार्यक्रम के नाम पर अत्यधिक शोर मचाकर आम जनजीवन को प्रभावित करना अनुचित है। हाईकोर्ट ने मध्यप्रदेश कोलाहल निवारण अधिनियम-1985 की धारा-13 को असंवैधानिक करार दिया। हाईकोर्ट ने आदेश में कहा कि किसी के मकान या सड़क किनारे लाउडस्पीकर-डीजे आदि के शोर से न केवल मौलिक मानव अधिकार की क्षति होती है बल्कि आसपास रहने वालों को बेहद परेशानी होती है। लिहाजा, अधिनियम की जिस धारा का दुरुपयोग करते हुए लाउड स्पीकर आदि बजाने की अनुमति हासिल कर ली जाती थी, उसे असंवैधानिक करार दिया जाता है। लेकिन उस आदेश पर सटीक अनुपालन हुआ नहीं।

एक बात और, किसी भी धर्म का दर्शन कोलाहल या अपने संदेश को जबरिया लोगों तक पहुंचाने के विरुद्ध है। इस तरह धार्मिक अनुष्ठान में भारी भरकम लाउडस्पीकर की अनिवार्यता की बात करना धर्म-संगत भी नहीं है। कुरान शरीफ में लिखा है- यदि कोई शख्स दूसरे धर्म में यकीन करता है, तो उसे जबरन अपने धर्म के बारे में न बताएं। इसी तरह गीता रहस्य के अठारहवें अध्याय के 67-68वें श्लोक में कहा गया है-गीता के रहस्य को ऐसे व्यक्ति के समक्ष प्रस्तुत नहीं करना चाहिए जिसके पास इसे सुनने का या तो धैर्य न हो या जो किसी स्वार्थ-विशेष के चलते इसके प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट कर रहा है या जो इसे सुनने को तैयार नहीं है।

ऐसा नहीं है कि ध्वनि प्रदूषण पर कानून नहीं हैं, लेकिन कमी है कि उन कानूनों का पालन कौन करवाए। अस्सी डेसीबल से ज्यादा आवाज न करने, रात दस बजे से सुबह छह बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्र का इस्तेमाल न करने, धार्मिक स्थलों पर तय ऊंचाई से अधिक पर भोंपू न लगाने, अस्पताल-शैक्षिक संस्थाओं, अदालत के आसपास लाउडस्पीकर का इस्तेमाल न करने जैसे ढेर सारे नियम व उच्च अदालतों के आदेश सरकारी किताबों में दर्ज हैं, लेकिन सियासी दबाव में ये सब बेमानी हैं।

धार्मिक स्थलों से भोंपू उतरवाना या उनकी आवाज काम करना एक शुरुआत तो है लेकिन जब तक सड़क पर हो रहे आए दिन के जलसे-जुलूस-सामाजिक-धार्मिक आयोजनों में शोर के खिलाफ सशक्त शोर नहीं मचाया जाता, शोर इंसान ही नहीं, प्रकृति को भी हानि पहुंचाता रहेगा।

तरक्की के आंकड़ों संग सुधरे देश की सेहत

देविंदर शर्मा

यदि आजादी के 76 साल बाद भी, 74 फीसदी से भी अधिक भारतीय स्वास्थ्यवर्धक भोजन का खर्च उठाने में सक्षम नहीं हैं तो कुछ तो है जो गलत हो रहा है। यह भी तब जबकि देश दुनिया की सबसे तेज गति से तरक्की कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, और संवृद्धि दर अनुमानों के लिहाज से जिन्हें यह लगभग हासिल कर ही लेगा, लगभग 2027 तक भारत के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। अर्थव्यवस्था का आकार जो भी हो, और वह भी अधिकांश अस्वस्थ आबादी से निर्मित हो तो वह इस बात का स्पष्ट संकेतक है कि ग्रोथ मैट्रिक्स यानी संवृद्धि का सांचा देश के स्वास्थ्य से मेल नहीं खाता है।

यह निश्चित तौर पर चिंताजनक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' की अवधि पांच साल और बढ़ाने की घोषणा की, जिसके तहत 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त राशन मिलना जारी रहेगा, तो इससे पूरी तरह स्पष्ट था कि सरकार ने जरूरत समझी है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत निर्धारित 2-3 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत पर सब्सिडी वाले खाद्यान्न, जिसके हकदार गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोग हैं, के अलावा 5 किलोग्राम मुफ्त राशन भी दिया जाये। क्योंकि एनएफएसए आबादी के 67 प्रतिशत हिस्से की जरूरत पूरी करता है, इसके साथ ही अन्य 10 फीसदी भाग ऐसा है जिसके खुराक के स्तर को बेहतर बनाने की तुरंत जरूरत है।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने अपने खाद्य सुरक्षा और पोषण के क्षेत्रीय अवलोकन 2023 में ये हैरान कर देने वाले आंकड़े उजागर किये। यह वर्ष 2021 के लिए अनुमानों पर आधारित था, जो महामारी का साल था, परंतु अध्ययन बताता है कि क्षेत्र का उसी तरह के प्रभावों के फैलाव से ग्रस्त रहना जारी है। निराशाजनक रूप से, रिपोर्ट बताती है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पोषण के लिहाज से 37.07 करोड़ गरीब लोग मौजूद हैं जो वैश्विक स्तर पर कुपोषित जनसंख्या के आधे से ज्यादा है। भारत के अलावा पाकिस्तान में 82.8 प्रतिशत और बांग्लादेश में 66.1 फीसदी आबादी कुपोषित है। जबकि नेपाल में 76.4 फीसदी, श्रीलंका में 55.5 फीसदी और भूटान में 45.2 प्रतिशत जनसंख्या कुपोषण से ग्रस्त है। इस तरह से दक्षिण एशियाई क्षेत्र वैश्विक अल्पपोषित मानचित्र पर हावी है।

एफएओ की रिपोर्ट यह भी बताती है कि देश की 53 प्रतिशत महिलाओं में रक्ताल्पता की समस्या है, और पांच साल से कम आयु के 31.7 फीसदी बच्चों की हाइट उम्र के लिहाज से कम है, इसके साथ ही 18.7 प्रतिशत बच्चों का वजन तकनीकी तौर पर उनकी ऊंचाई के अनुरूप कम है। रोचक बात यह है कि यही अनुमान पूर्व में वैश्विक भूख सूचकांक (जीएचआई) में चिन्हित किये गये थे जिन्हें भारत ने यह कहकर नकार दिया था कि इनके लिए अपनाई गयी कार्यप्रणाली सही नहीं है। जबकि एफएओ का कहना है कि जब तक बढ़ रही आय का स्तर बढ़ रही खाद्य कीमतों के बराबर नहीं होता है, अस्वास्थ्यकर भोजन की प्रवृत्ति घटेगी नहीं।

जहां तक आय स्तर का संबंध है तो भारत की अधिकांश जनसंख्या लगातार उस स्तर पर है जो सब-सहारा अफ्रीका में मौजूद है। देश के एक अंग्रेजी दैनिक समाचारपत्र में 10 अगस्त, 2022 में प्रकाशित लेख 'फोकस ऑन द बेस ऑफ ए पिरामिड' में ये अनुमान था कि 90 करोड़ भारतीय उतनी ही आय में निर्वाह कर रहे थे जितनी आमदन सब सहारा अफ्रीका में है। इतने निम्न आय स्तर के साथ, जो अर्थव्यवस्था की वृद्धि के बावजूद जारी है, अस्वास्थ्यकर खुराक कायम रहेगी। इसे प्रमाणित करने के लिए, विश्व बैंक की हालिया गणना से मालूम हुआ कि ब्रिक्स देशों में, भारत की 91 प्रतिशत आबादी 280 रुपये रोजाना (4 डॉलर प्रतिदिन) से कम में जीवन यापन करती थी। यह वृद्धिमान अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम है, इतने ही आय स्तर पर 51 प्रतिशत आबादी के साथ दक्षिण अफ्रीका दूसरे स्थान पर आता था।

स्वास्थ्यकर खुराक प्राप्त करने को लेकर, जवाब यही है कि पिरामिड की सतह पर प्रचलित आय स्तर को बढ़ाया जाये। यह मुश्किल लगता है, और कुछ तो इसे असंभव ही कहेंगे, पर हकीकत में औसत आय स्तर को बढ़ाना कठिन नहीं है। मैंने अकसर कहा है कि चूंकि ग्रामीण परिवारों का करीब 70 फीसदी हिस्सा कृषि पर आश्रित है तो खेती को व्यवहार्य और लाभकारी उद्यम बनाने में ही इसका जवाब निहित है। कृषि क्षेत्र में कार्यरत जिस 47 फीसदी कार्यबल को व्यवहार्य आय स्तर से लगातार वंचित रखा जा रहा है, वे कभी पोषण से भरपूर आहार नहीं प्राप्त कर सकते हैं। कई अध्ययनों ने इंगित किया कि ग्रामीण मजदूरी जो किसी भी रूप में निम्नतम है, फिर से कम हुई या स्थिर रही। और जब गरीब परिवारों में आय कम होती है तो वे अपने द्वारा लिये जाने वाले भोजन में ही कटौती करते हैं। महंगाई नियंत्रण के मकसद से कृषि क्षेत्र को जानबूझकर दरिद्र बनाये रखने के चलते मैक्रो इकनॉमिक नीतियों ने कृषि को व्यवहार्य विकल्प बनाने के प्रयासों को दबा दिया है। यह मुझे राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर एक त्रुटिपूर्ण ग्रंथ की याद दिलाता है जिसे नीति आयोग ने साल 2020 में देशभर में एक आम आदमी द्वारा भुगतान की जाने वाले भोजन (थाली) की लागत को मापने के मकसद से तैयार किया था। द ट्रिब्यून में 8 फरवरी, 2020 को प्रकाशित मेरे एक लेख 'थाली इकोनॉमिक्स गेट्स इट रॉन्ग' में मैंने व्याख्या की है कि कैसे थाली इकोनॉमिक्स, जैसा कि इसे कहा गया, केवल यह संदेश देने के लिए थी कि खाद्य कीमतें एक औसत आदमी की पहुंच में हैं। असल में, रिपोर्ट में यह बात चतुराई से छुपा ली गयी थी कि सस्ते खाद्यान्न उगाने के लिए किस तरह से किसानों को 'दंडित' किया जा रहा है।

नारियल का तेल

अगर आप किसी ऐसी चीज की तलाश कर रहे हैं, जिसको इस्तेमाल करने के लिए आपको ज्यादा पैसे खर्च ना करने पड़ें तो नारियल का तेल आपके लिए एक बेहतर विकल्प है। इसका इस्तेमाल करके आप अपने पैरों की नमी बरकरार रख सकते हैं। त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है नारियल तेल। यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है, इसलिए ज्यादातर लोग त्वचा रोग जैसे एक्जिमा, स्किन बर्न और डर्मेटाइटिस में भी इस्तेमाल करते हैं।

पेट्रोलियम जेली

अगर आपके पैर काफी ज्यादा रूखे हो रहे हैं तो इसके लिए पेट्रोलियम जेली एक बेहतर विकल्प है। आप आसानी से इसका इस्तेमाल करके अपने पैरों को मुलायम बना सकते हैं। यह आपको आसानी से बाजार में मिल जाएगी। पेट्रोलियम जेली पेट्रोलियम जेली की थोड़ी मात्रा आपकी एड़ी की दरारों को नरम करने और नमी को बनाए रखने में मदद करेगी, जिससे क्षति को जल्दी से ठीक करने में मदद मिलेगी।

शहद

शहद में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा के रूखेपन से आपको छुटकारा दिला सकते हैं। अगर आप शहद का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो 10 से 15 मिनट तक इसे अपने पैरों पर लगाएं और फिर पैरों को गुनगुने पानी से साफ कर लें। इससे आपको फायदा जरूर मिलेगा। इसमें कई ऐसे तत्व मौजूद होते हैं, जो त्वचा के नेचुरल मॉइस्चर के स्तर को बरकरार रखते हैं। जिनकी त्वचा रूखी होती है, उसमें नमी की कमी होती है। इस तरह से शहद का इस्तेमाल से इसमें मौजूद तत्व त्वचा में नमी को बंद कर देता है, जिससे स्किन सॉफ्ट, नर्म और हेल्दी बनती है।

पैरों की नमी
बचाने के लिए करें ये इस्तेमाल

सर्दी का मौसम चल रहा है। ऐसे में ठंड ने हर किसी की हालत खराब की हुई है। हर कोई ठंड से बचने के लिए जैकेट और स्वेटर पहन रहा है, लेकिन फिर भी सर्दी ने लोगों को परेशान किया हुआ है। ठंड के इस मौसम में त्वचा का ध्यान रखना भी काफी जरूरी हो जाता है, क्योंकि ठंड का सीधा असर त्वचा पर पड़ता है। सर्दी के इस मौसम में त्वचा काफी ड्राई हो जाती है। त्वचा के रूखेपन से छुटकारा पाने के लिए लोग तमाम तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं। चेहरे और हाथ का ध्यान तो लोग रख लेते हैं, लेकिन जब बारी आती है पैर की तो हर कोई पैरों का ध्यान नहीं रख पाता है। जिस वजह से पैर काफी ड्राई होने लगते हैं। अगर आपके साथ भी यही परेशानी है तो आप घर पर ही इस परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं। तो आप कुछ ऐसी चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिससे आपके पैर मुलायम बने रहेंगे।

एलोवेरा

भारत में शायद ही कोई घर ऐसा होगा, जहां एलोवेरा नहीं पाया जाता होगा। ऐसे में आप बड़ी आसानी से इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। आपको बाजार में रेडिमेड एलोवेरा जेल मिल जाएंगे, जिनका इस्तेमाल आप सीधे अपने पैरों पर कर सकते हैं। अगर आपके घर ताजा एलोवेरा है तो उसी का इस्तेमाल आप अपने पैरों की नमी बरकरार रखने के लिए करें। एलोवेरा जेल का उपयोग त्वचा को विभिन्न छोटी-मोटी बीमारियों से ठीक करने में मदद कर सकता है। इस सुखदायक जेल का नियमित उपयोग त्वचा की कई स्थितियों जैसे शीतदंश, सोरायसिस और ठंडे घावों का इलाज करता है। यह त्वचा की कोशिकाओं के लिए तेजी से रिकवरी दर भी प्रदान करता है और इस प्रकार सीधे आपकी उपस्थिति में सुधार करने में मदद करता है। विज्ञान के प्रवेश के साथ, प्राकृतिक अर्क की क्षमता में वृद्धि हुई है, जिससे विभिन्न त्वचा देखभाल उत्पादों का विकास हुआ है। यहां प्राकृतिक सुखदायक जेल के कुछ लाभ दिए गए हैं। एलोवेरा जेल-आधारित उत्पादों पर स्विच करने से मदद मिलेगी क्योंकि इस जेल में ह्यूमेक्टेंट होते हैं जो हवा से पानी को आकर्षित करते हैं और उन्हें त्वचा की सतह से बांध देते हैं।

ठंड के इस मौसम में त्वचा का ध्यान रखना भी काफी जरूरी हो जाता है, क्योंकि ठंड का सीधा असर त्वचा पर पड़ता है।

हंसना मना है

5 साल का बच्चा- आई लव यू मां, मां- आई लव यू टू बेटा! 16 साल का लड़का - आई लव यू मॉम, मां- सॉरी बेटा, पैसे नही है! 25 साल का लड़का- आई लव यू मां, मां- कौन है वो चुड़ैल? कहा रहती है? 35 साल का आदमी- आई लव यू मां, मां- बेटा मैंने पहले ही बोला था, उस लड़की से शादी मत करना! और सबसे बढ़िया। 55 साल का आदमी- आई लव यू मां, मां- बेटा, मैं किसी भी कागज पर साइन नहीं करूंगी!

फ्रेंड- यार तुम्हारी दुकान मिठाई की है, तो क्या तुम्हारा दिल नहीं करता, मिठाई खाने को? संता- यार करता तो बहुत है, लेकिन पापा रसगुल्ले गिन के जाते है, तो। इसलिए, चूसकर रख देता हूं।

अर्ज किया है, फिजा में महकती शाम हो तुम, प्यार का पहला जाम हो तुम, और क्या कहे जानम तुम्हारे बारे में, खर्चे का दूसरा नाम हो तुम।

हम हमेशा दो लोगों के लिए अगरबत्ती लगाते है, एक भगवान के लिए, उन्हें बुलाने के लिए और दूसरी अगरबत्ती मच्छर के लिए, उन्हें भगाने के लिए। पर होता उसके बिलकुल उलटा है। भगवान आते नहीं है और मच्छर है कि जाते नहीं है।

कहानी | रसगुल्ला की जड़

एक वक्त की बात है, एक बार राजा कृष्णदेव राय के राज्य में दूर देश ईरान से व्यापारी आया। महाराज उस व्यापारी का स्वागत मेहमान की तरह शानदार तरीके से करते हैं। वह मेहमान के लिए तरह-तरह के पकवान और स्वादिष्ट भोजन बनवाने का आदेश देते हैं। साथ ही कई अन्य सुविधाओं का आयोजन करते हैं। एक दिन महाराज के रसोइये ने शेख व्यापारी मेहमान के लिए रसगुल्ले बनाए। जब शेख व्यापारी ने रसगुल्ले खाए, तो उसे बहुत स्वादिष्ट लगे। उसने महल में मौजूद लोगों से रसगुल्लों की जड़ के बारे में पूछा। यह सुनकर रसोइया समेत महल के कई लोग सोच में पड़ जाते हैं। शेख व्यापारी की मांग के बारे में महाराज को जानकारी दी जाती है। फिर महाराज बिना देर किए अपने सबसे चतुर मंत्री तेनाली राम को बुलाते हैं और सारी बात बताते हैं। महाराज की बात सुनकर तेनाली राम तुरंत रसगुल्ले की जड़ ढूंढने की चुनौती स्वीकार कर लेते हैं। वो महाराज से एक कटोरे और छुरी की मांग करते हैं, साथ ही एक दिन का समय भी मांगते हैं। फिर अगले दिन महराज की भरी सभा में तेनाली राम कटोरे में रसगुल्ले की जड़ लेकर आ जाते हैं। कटोरा मलमल के कपड़े से ढका होता है। तेनाली राम उस कटोरे के साथ शेख व्यापारी के पास जाते हैं और उन्हें कपड़ा हटाने को कहते हैं। जैसे ही शेख व्यापारी कटोरे का कपड़ा हटाता है, तो वहां बैठा हर कोई हैरान हो जाता है। उस कटोरे में गन्ने के कई टुकड़े होते हैं। महाराज के साथ हर कोई हैरान होकर तेनाली राम से पूछता है कि यह क्या है? बुद्धिमान और चतुर तेनाली राम अपनी बात रखते हुए सभी को समझाते हैं कि कोई भी मिठाई चीनी से बनती है और चीनी को गन्ने के रस से बनाया जाता है। इसलिए, रसगुल्ले की जड़ गन्ना है। तेनालीराम की यह बात सुनकर सभी हंस पड़े और खुश होकर तेनाली राम के बात से सहमत भी हुए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धनहानि संभव है, सावधानी रखें।

वृषभ

शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मिथुन
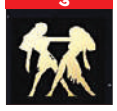
परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति की बातों में न आएं।

कर्क

व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विरोध होगा। विवाद से क्लेश होगा, इससे बचें।

सिंह

धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या

व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। प्रमाद न करें। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

तुला

अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। किसी व्यक्ति विशेष की नाराजी झेलना पड़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराना रोग उभर सकता है।

वृश्चिक

धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

धनु
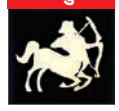
यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

मकर

धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न उठाएं। जल्दबाजी से चोट लग सकती है।

कुम्भ
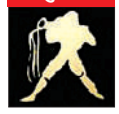
भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें।

मीन
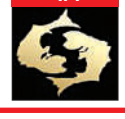
जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

जापान से घर लौटे जूनियर एनटीआर, बोले- मैं गहरे सदमे में हूं

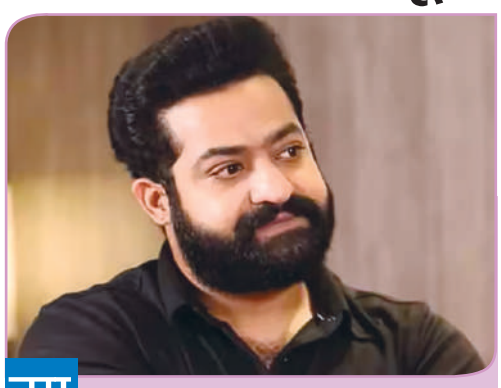

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर जापान से लौट आए हैं। अभिनेता अपने परिवार के साथ जापान में छुट्टियां मना रहे थे। जापान में आए सिलसिलेवार भूकंपों में कई लोगों की मौत के बाद वह सोमवार देर रात घर लौट आए। जूनियर एनटीआर ने मंगलवार सुबह यह बताया कि वे जापान से लौटे हैं और द्वीप देश में आए शक्तिशाली भूकंपों की एक सीरीज के बाद इसके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। भूकंप ने जापान के पश्चिमी क्षेत्र को प्रभावित किया, जिससे कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और इमारतों, वाहनों और नौकाओं को नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने मंगलवार को कुछ क्षेत्रों में लोगों को चेतावनी दी कि वे और अधिक मजबूत भूकंपों के खतरे के कारण अपने घरों से दूर रहें। जूनियर एनटीआर ने अपना पिछला सप्ताह जापान में बिताया था। उन्होंने एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि वे देश में आए भूकंप से गहरे सदमे में हैं। उन्होंने लिखा, जापान से आज घर लौटा हूं और भूकंप के झटकों से बहुत सदमे में हूं। पिछला पूरा सप्ताह वहां बिताया और प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। लोगों के लचीलेपन के लिए आभारी हूं और शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद करता हूं। जापान, मजबूत बने रहें। इससे पहले सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में जूनियर एनटीआर को जापान से हैदराबाद हवाईअड्डे पर पहुंचते देखा गया। उनके साथ उनकी पत्नी, लक्ष्मी प्रणति और उनके दो बच्चे- अभय और भार्गव भी थे। परिवार ने हाल ही में जापान में क्रिसमस और नया साल मनाया। घर लौटने के बाद जूनियर एनटीआर ने भी उन लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की, जिन्होंने जापान के भूकंप में अपने प्रियजनों को खो दिया। वहीं बात करें जूनियर एनटीआर की आने वाली फिल्मों के बारे में तो वे जल्द ही देवरा में दिखाई देंगे।

एनिमल साल की है सर्वश्रेष्ठ फिल्म : करण

फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर ने रणबीर कपूर की हाल ही में रिलीज हुई एनिमल फिल्म की जमकर तारीफ की, जिसे संदीप रेड्डी वांगा ने निर्देशित किया था। एक्शन ड्रामा ने बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़े हैं, लेकिन अपनी कहानी के लिए इसे आलोचना का भी सामना करना पड़ा है। हालांकि, करण ने एनिमल को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ फिल्म कहा और यह भी खुलासा किया कि उन्होंने फिल्म दो बार देखी है। करण जौहर ने संदीप रेड्डी, रानी मुखर्जी, तापसी पन्नू, पृथ्वी कोनानूर, जूड एंथनी जोसेफ और रीमा दास के साथ एक एक कार्यक्रम में भाग लिया था। इस दौरान उन्होंने संदीप रेड्डी वांगा से उनकी फिल्म की तारीफ की। कहा कि एनिमल साल की सर्वश्रेष्ठ फिल्म है, और इसकी सफलता गेम-चेंजर है। करण ने कहा कि जब मैंने बताया कि मुझे एनिमल कितनी पसंद आई तो लोग मेरे पास आए और बोले कि आपने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी बनाई है, जो इस फिल्म के बिलकुल विपरीत है, तब मैंने कहा कि मैं आपसे अधिक असहमत नहीं हो सकता, क्योंकि मेरे लिए एनिमल साल की सर्वश्रेष्ठ फिल्म है। इस निर्णय पर पहुंचने में मुझे थोड़ा समय लगा और बहुत साहस लगा, क्योंकि जब हम लोगों के आसपास होते हैं तो इस तरह के निर्णय लेने से डरते हैं। जैसे कि कबीर सिंह के समय हुआ। वह फिल्म भी मुझे पसंद थी। मुझे लग रहा था कि मैं ऐसा कुछ कहने जा रहा हूं, जिससे मुझे लोगों की गंदी नजरें मिलेंगी और ट्रोल किया जाएगा, लेकिन अब मुझे कोई परवाह नहीं है। इसके बाद करण जौहर ने विस्तार से बताया कि उन्हें रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल इतनी पसंद क्यों है। उन्होंने कहा, मुझे एनिमल उसकी फ्रंट, बिल्कुल दृढ़ विश्वास-आधारित कहानी कहने, व्याकरण को तोड़ने, मिथकों को तोड़ने, वह सब कुछ तोड़ने के लिए पसंद है, जो आप सोचते हैं कि मुख्यधारा के सिनेमा के अनुरूप है। अचानक आपके पास एक इंटरवल ब्लॉक आ जाता है, जहां नायक की पिटाई हो रही है और हर कोई गाना गा रहा है। आपने इस तरह का अनुक्रम कहां देखा है? यह प्रतिभा है। करण ने आगे कहा, अंत में जहां दो आदमी एक-दूसरे के लिए जा रहे हैं और जो गाना बजा... मेरी आंखों में आंसू थे, लेकिन वहां केवल खून था।

बोले- मैं इसे देख रोने लगा

तुनिषा से हमारी बॉन्डिंग अलग थी : जाहिद अली

एक्टिंग की फिल्ड में 32 साल तक काम कर चुके एक्टर जाहिद अली ने कहा कि दूरदर्शन पर मेरे एक समय तीन शो बैक टू बैक चला करते थे। अर्धांगिनी, अस्मिता और अहसास। मैं लगातार काम में लगा रहा। सुराग, हेलो इंस्पेक्टर, डायल हंड्रेड, बनूं मैं तेरी दुल्हन और हालिया अली बाबा दास्ताने काबुल जैसे सीरियल हों या पिछले दिनों रिलीज हुई अजय देवगन की भुज हो, मुझे कभी खाली नहीं बैठे रहना पड़ा। ज़ाहिद अली टीवी की यंग अभिनेत्री तुनिशा के साथ दो सीरियल में काम कर चुके हैं। पिछले साल तुनिशा ने अली बाबा दास्ताने काबुल के सेट पर खुदकशी कर ली थी। जाहिद तुनिषा को याद करते हुए कहते हैं, हाल ही में तुनिषा को गुजरे हुए एक साल हो गया है। तुनिषा मेरे लिए बेटी की तरह थी। हमारी बॉन्डिंग अलग ही थी। मैं उसका मेंटॉर, फादर फिगर और दोस्त सभी कुछ था। मैं उसे बेबी डॉल कहकर बुलाया करता था। मैंने उसके साथ दो सीरियल अली बाबा दास्ताने काबुल से पहले हीरो गायब मोड ऑन में भी काम किया था। मैं उसे कई दृश्यों में गाइड भी किया करता था। वो मुझ से बहुत कुछ शेयर किया करती थी। बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था, जब मेरे करियर में ये खौफनाक हादसा हुआ। मैं आज भी महसूस करता हूं कि काश मैं सेट पर होता, उससे बात करता, उसे बचा पाता। जाहिद अली के अभिनय की शुरुआत रंगमंच से हुई। वे कहते हैं, मैं थिएटर में महाराष्ट्र स्टेट साहित्य अकादमी से नैशनल अवॉर्ड विनर रहा। साबुसिद्दीकी इंजीनियरिंग कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की। मुंबई यूनिवर्सिटी से गोल्ड मेडलिस्ट भी रहा। मैंने काफी समय रंगमंच किया। मेरे गॉडफादर मेरा परिश्रम और काम के प्रति मेरी श्रद्धा रही है। मैं थिएटर के जाने-माने नाम दिनेश ठाकुर के साथ उनकी रेपेट्री कंपनी में दस साल तक रहा।

बॉलीवुड | मसाला

400 करोड़ लोगों का पेट भर रहे ये 12 पौधे और 5 जानवर

अगर आपसे कोई कहे कि सिर्फ 12 पौधे और 5 जानवर दुनिया का पेट भर रहे हैं, तो शायद ही आपको यकीन होगा। लेकिन यह 100 फीसदी सच है। दुनिया के 400 करोड़ लोग अपनी भूख मिटाने के लिए इन चंद पौधों और जीवों पर निर्भर हैं। अगर ये न रहें तो इंसान के लिए जीना मुश्किल हो जाएगा। पेट भरना मुश्किल हो जाएगा। योंकि 75 फीसदी से ज्यादा खाना इन्हीं से आता है। इनमें ज्यादातर के नाम तो आप जानते होंगे, लेकिन कुछ नाम चौंकाने वाले भी हैं। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन की रिपोट के मुताबिक, दुनियाभर में पौधों की 3 लाख से ज्यादा प्रजातियां मौजूद हैं। लेकिन सिर्फ 30 हजार प्रजातियां ही ऐसी हैं, जिन्हें खाने के बारे में इंसान सोच सकता है। इनमें से 7 हजार प्रजातियों को इंसानों ने किसी न किसी दौर में जरूर उगाया है। कभी खाने के लिए तो कभी कृषि की जरूरतों को पूरा करने के लिए। मगर ऐसी प्रजातियों की संख्या सिर्फ 255 है, जिनके ईद-गिर्द इंसानों का फूड साइकल चलता है। इनमें से भी सिर्फ 12 पौधे ऐसे हैं, जो 61 फीसदी इंसानों का पेट भरते हैं। इनमें गेहूं, चावल, मक्का, गन्ना, सोया, आलू, पॉम ऑयल, कसावा, शकरकंद, मुंगफली, मिलेट्स और ज्वार शामिल हैं। गेहूं, चावल, मक्का, गन्ना और आलू तो भारत में भी ज्यादातर घरों में इस्तेमाल होता है। गेहूं तो दुनिया में सबसे ज्यादा खाया जाने वाला अन्न है। इसी तरह चावल का भी इस्तेमाल दूसरे नंबर पर होता है। मक्का और आलू तो हर घर का हिस्सा होते हैं। आप सुपरमार्केट में जाएं और तलाशने की कोशिश करें तो आपको सिर्फ 4 उत्पादों गेहूं, गन्ना, चावल और मक्का से बनी हुई चीजें ही मिलेंगी। इन्हीं से ज्यादातर खाद्य प्रोडक्ट बनते हैं। इसके बाद बात आती है, सबसे ज्यादा खाए जाने वाले जानवरों की। इनमें मुर्गी, गाय, भैंस, बकरी और सुअर का नाम आता है। आप जानकर हैरान होंगे कि सिर्फ ये 5 जीव दुनिया के 14 फीसदी लोगों का पेट भरते हैं। उनके मांस, दूध और पोल्ट्री प्रोडक्ट लोग खाने में इस्तेमाल करते हैं। इन्हीं से बहुत सारे उत्पाद बनाए जाते हैं। यहां तक कि दवाओं में भी इनका भरपूर इस्तेमाल किया जाता है।

अजब-गजब | दादी की उम्र में लौटा बॉडीबिल्डिंग का शौक

अच्छे-अच्छे मर्दों को देती हैं मात

दुनिया में कई महिलाओं को बॉडीबिल्डिंग का शौक होता है। पर एक महिला ऐसी भी है जो वैसे तो 50 साल से अधिक उम्र की है लेकिन अपने कसरती बदन पर बने ऐब्स से अच्छे अच्छे मर्दों को पछाड़ती है। हालत ये है कि उसे लोग खासा ट्रोल भी करते हैं कि इस उम्र में वह कहां बॉडी बिल्डिंग के चक्कर में लगी है। ग्रैब्रियल ओस्बोर्न ने कुछ साल पहले ही बॉडी बिल्डिंग का शौक फिर से अपनाया है। गैब्रियल ओस्बोर्न 54 साल की मां हैं और प्रोफेशन से वे एक डिजिटल कंटेट क्रिएटर होने के साथ साथ वे फिटनेस एंथूजियास्ट हैं। सोशल मीडिया पर उनके फिगर को लेकर ट्रोल करने वालों की कमी नहीं है। लेकिन गैब्रियल उन सबको विडियो बनाकर जबाव देती हैं। ऐसा नहीं है कि गैब्रियल के लिए यह बिलकुल नया शौक है। उन्होने कई दशकों का ब्रेक लिया हुआ था। हाल ही में वे बॉडी बिल्डिंग में वापस लौटी हैं। उनका कहना है कि वे चाहती हैं कि वे उम्र दराज महिलाओं के लिए मिसाल बनें। गैब्रियल ओस्बोर्न ने हाल ही में नियमित वर्कआउट शुरू किया है और उनका कहना है कि शुरुआत करने की बात आती है तो कभी भी देर नहीं होती है। जबकि ऐसा करते हुए उन्होंने ट्रोलर्स के कमेंट्स का शिकार होना पड़ा है। पर वे इससे निराश होने की जगह खुद वीडियो बनाकर जबाव देती हैं। गैब्रियल ओस्बोर्न एक एक्सरसाइज इन्फ्लूएंसर के तौर पर अपनी पहचान बना रही हैं। वे चाहती हैं कि यह धारणा टूट जाए कि बूढ़ी औरतें कमजोर होती हैं और मजबूत नहीं हो सकती हैं। वे यह भी मानती हैं कि उन्हें एक समय लगने लगा था कि सब कुछ खत्म हो गया है। ग्रैब्रियल यह मानती है कि उन्होंने करीब 10 से 20 साल तक सही तरह से कसरत नहीं की थी। उन्होंने तो यह तक मान लिया था कि वे फिर से इसे शुरू नहीं कर सकेंगीं। शुरू में जब उन्होंने तैराकी से शुरुआत की तब उन्हें ऐसा नहीं लगा था जैसा का आज लगता है। पर अब तो वे अपनी बॉडी से अच्छे अच्छे मर्दों को माद देती हैं। लेकिन गैब्रियल ने अपना जज्बा कायम रखा और अब उनका कहना है कि वे आज पहले से अधिक जानती हैं और उन्होंने जितना पिछले एक दो सालों में सीखा है बाकी जिंदगी से कहीं अधिक है। उन्होंने कई तरह की वजन उठाने की तकनीक के अलावा बहुत से जिमनास्टिक मूव भी सीखे। गैब्रियल का कहना है कि तमाम तरह की स्किल्स सीखने के बाद जो खास बात उन्होंने सीखी है कि फिजिकल फिटनेस उनकी मेंटल हेल्थ पर बहुत ही अच्छा असर डालती है। उनकी अच्छी मानसिक सेहत में कसरत एक नींव की तरह काम कर रही है। उम्र के बारे में गैब्रियल कहती हैं कि लोग सोचते हैं कि अधिक उम्र आपको शर्मिंदा करती है और असहज महसूस कराती है। पर उनका खुद का अनुभव इसके ठीक उलट ही है। वे ना केवल अपनी फिटनेस जर्नी को एंजाय करती हैं बल्कि इस दौरान लोगों से मिलना भी उन्हें बहुत अच्छा लगता है। फिर भी गैब्रिटल को ट्रोल करने वालों की कमी नहीं है। लोग उनके फिगर का मजाक उड़ाते हैं। कुछ उन्हें ताने मारते हैं। पर वे ट्रोल का जबाव देती हैं। वे खुद वीडियो बनाती कर शेयर करती हैं उनका कहना है कि उनकी मांसपेशियां को देखकर लगता है कि वे मर्द हैं पर उन्हें महसूस होती है कि वे खलनायक हैं।

सत्ता में बैठे लोग धर्मनिरपेक्ष शब्द को अपमानित कर रहें हैं : सोनिया

» कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने केंद्र पर साधा निशाना

» हमें अपनी चुनौतियों का समाधान खुद ढूंढ़ना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने धर्मनिरपेक्षता को भारत के लोकतंत्र का मूलभूत स्तंभ बताया है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों द्वारा धर्मनिरपेक्ष शब्द का इस्तेमाल अपमान के तौर पर किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप समाज में ध्रुवीकरण फैल रहा है। सोनिया गांधी ने एक सामान्य ज्ञान की किताब में अपने एक आर्टिकल के जरिए लोकतंत्र को लेकर केंद्र पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा, उनका कहना है कि वे लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वे इसके साथ ही लोकतंत्र की सुरक्षा को कमजोर कर रहे हैं। हमारे देश को एकता की तरफ ले जाने वाली पटरियां नष्ट हो रही है जिसके कारण समाज में ध्रुवीकरण फैल रहा है।

कांग्रेस नेता ने कहा, सरकार धार्मिक विचारधाराओं की रक्षा करती है। उनके पास अल्पसंख्यकों की रक्षा करने के लिए

एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष

कांग्रेस नेता ने बताया कि लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या कई तरीकों से की जाती है, लेकिन भारत के लिए इसका अर्थ वही है जो महात्मा गांधी ने कहा है-सर्व धर्म समा भाव। उन्होंने कहा, कि महात्मा गांधी और जवाहर नेहरू सभी धर्मों की एकता को समझते हुए धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की स्थापना का प्रयास किए। संविधान निर्माता डॉ. बीआर अम्बेडकर ने भी इस विचार को विकसित करते हुए सरकार पर लागू किया, जिससे एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र बना।

विशेष प्रावधान भी है। भारतीय धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र हमेशा हमारे समाज में सद्भाव और समृद्धि को बढ़ावा देती है। उन्होंने लोकतंत्र के कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि लेकतंत्र में सरकार बहुमत से बनती है। उन्होंने पूछा, यदि अधिसंख्यक लोग किसी बात से सहमत हों, तो क्या बाकी लोगों पर हमेशा उनकी राय थोपी जाती रहेगी? यदि किसी छोटे समूह के हितों का ध्यान नहीं रखा जाएगा तो क्या होगा? क्या होगा अगर अस्थाई बहुमत वाली सरकार ऐसे फैसले लेने लगे जिनका भविष्य पर दूरगामी असर होगा? दूसरी तरफ अगर यही बहुमत कमजोर होता तो क्या उन्हें बिना चुनौती के सत्ता चलाने का अधिकार मिल जाता? सोनिया गांधी ने इन सवालों को भारत जैसे देशों के लिए गंभीर बताया है।

कांग्रेस नेता ने कहा, यदि लोगों को चिंता है कि उनकी भाषा या धार्मिक प्रथा या जीवन शैली को केवल इसलिए स्थायी रूप से खतरा हो सकता है क्योंकि उनकी संख्या अधिक नहीं है, तो इससे समाज में शांति या सद्भाव में मदद नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपनी चुनौतियों का समाधान खुद ढूंढे और अपने देश का सम्मान करें।

बिना संवाद के कानून बनाना घातक हो सकता है : राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बीजेपी गरीब ट्रक ड्राइवरों को सजा देना चाहती है : खरगे

नई दिल्ली। हिट एंड रन एक्ट के विरोध में ट्रक ट्राइवर देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि बीजेपी कड़े कानून के माध्यम से गरीब ट्रक ड्राइवरों को अन्यायपूर्ण तरीके परेशान करना और सजा देना चाहती है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ट्रक ड्राइवरों के हड़ताल पर कहा कि बिना प्रभावित वर्ग से चर्चा और बिना विपक्ष से संवाद के कानून बनाने की जिद लोकतंत्र की आत्मा पर निरंतर प्रहार है। उन्होंने कहा, जब 150 से अधिक सांसद निलंबित थे, तब संसद में शहंशाह ने भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़, ड्राइवर्स के विरुद्ध एक ऐसा कानून बनाया जिसके परिणाम घातक हो सकते हैं। वहीं एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने प्रदर्शनकारी ट्रक ड्राइवर्स का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि नए क्रिमिनल कानून में लापरवाही से गाड़ी चलाने की सजा में बढ़ोतरी को लेकर चिंतित हैं। उधर केंद्रीय परिवहन राज्य मंत्री वीके सिंह ने कहा, यात्रियों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। नया कानून यात्रियों की मदद के लिए है, पहले ड्राइवर भाग जाता था, अब एक नया कानून बना, जिसमें ड्राइवर सजग रहे।

बीएचयू आईआईटी कांड के आरोपियों के घर पर कब चलेगा बुलडोजर : मोइत्रा

» आरोपी की तस्वीर शेयर कर टीएमसी नेत्री ने योगी पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा ने आईआईटी-बीएचयू की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार में स्थानीय भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की कथित संलिप्तता को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कटाक्ष करते हुए पूछा कि इस पर बुलडोजर चलाने में कितना समय लगेगा।

निष्कासित टीएमसी सांसद ने योगी आदित्यनाथ के साथ आरोपियों की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा कि आश्चर्य की बात है कि अजय बिष्ट उर्फ योगी आदित्यनाथ 2 नवंबर से ही ऐसा कर रहे थे जब उनकी बीजेपी ट्रोल सेना उर्फ आईटी सेल के गुंडों ने एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया था। ठोक दीजिए सर,

बुलडोजर चलाने में इतनी देर क्यों है? 2017 में मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद योगी आदित्यनाथ ने एक साक्षात्कार में कहा था कि अगर अपराध करेंगे, तो ठोक दिए जाएंगे। उनकी ठोक दो नीति के कारण पिछले तीन वर्षों में राज्य में कथित अपराधियों की कई मुठभेड़ हुई हैं। उत्तर प्रदेश में आईआईटी-बीएचयू परिसर के अंदर एक महिला छात्रा के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार के दो महीने बाद, पुलिस ने रविवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि वे भाजपा पदाधिकारी थे।

लोकसभा की विशेषाधिकार समिति की बैठक 12 को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा की विशेषाधिकार समिति तीन कांग्रेस सदस्यों को सदन से निलंबित करने के मुद्दे पर विचार करेगी। अगले सप्ताह आहूत बैठक में सांसदों के निलंबन पर अहम फैसला होने की उम्मीद है। भाजपा सांसद सुनील कुमार सिंह पैनल की अध्यक्षता कर रहे हैं।

12 जनवरी को समिति की बैठक में तीन कांग्रेस सांसदों- के जयकुमार, अब्दुल खालिक और विजयकुमार विजय वसंत के बयान दर्ज किए जाएंगे। बीते 18 दिसंबर को संसद में अशोभनीय आचरण के आरोप में तीनों को स्पीकर ओम बिरला ने निलंबित कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक 12 जनवरी की बैठक के दौरान सदन में गंभीर अव्यवस्था पैदा करने के आरोपी तीनों कांग्रेस सांसदों को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति के समक्ष मौखिक साक्ष्य दर्ज कराने होंगे।

नीतीश सरकार को सुप्रीम आदेश

» कहा, जाति सर्वे का विवरण सार्वजनिक करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने जाति आधारित सर्वेक्षण कराया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर हुई है। याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार से कहा कि जाति सर्वेक्षण का डेटा ब्रेकअप सार्वजनिक किया जाए। अदालत ने कहा, इस मामले में अगली सुनवाई 29 जनवरी को होगी।

शीर्ष अदालत ने कहा, बिहार में कराए गए जाति सर्वेक्षण का डेटा जनता को उपलब्ध नहीं कराए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट चिंतित है। अगर कोई व्यक्ति सर्वेक्षण के किसी विशेष निष्कर्ष को चुनौती देना चाहता है तो उसके पास सर्वेक्षण का डेटा होना चाहिए। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में पटना उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई है। बीते 2 अगस्त, 2023 को हाईकोर्ट में पारित आदेश में बिहार सरकार के फैसले को बरकरार रखा गया था। उच्च न्यायालय

में जाति-आधारित सर्वेक्षण के फैसले को चुनौती दी गई थी। गौरतलब है कि अक्तूबर, 2023 में बिहार सरकार के प्रभारी मुख्य सचिव विवेक सिंह ने जाति सर्वे की रिपोर्ट आंशिक रूप से जारी किए थे। इसके अनुसार, बिहार में सामान्य वर्ग के लोगों की आबादी 15 प्रतिशत है। पिछड़ा वर्ग की आबादी 27 प्रतिशत से ज्यादा है, जबकि अनुसूचित जाति की आबादी करीब 20 फीसदी है। सरकार की ओर से कुल 214 जातियों के आंकड़े जारी किए गए हैं। इनमें कुछ ऐसी जातियां भी हैं जिनकी कुल आबादी सौ से भी कम है।

टूटा भारतीय महिला क्रिकेट टीम का सपना

» ऑस्ट्रेलिया ने किया सूपड़ा साफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गेंदबाजों के शर्मनाक प्रदर्शन के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बैटर्स ने भी नाक कटाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वानखेड़े में खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया ने 190 रन से रौंदते हुए सीरीज को 3-0 से अपने नाम किया। 339 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की पूरी टीम 148 रन बनाकर ढेर हो गई। 339 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। यास्तिका भाटिया सिर्फ 6 रन बनाकर चलती बनीं।

स्मृति मंधाना ने कुछ दमदार शॉट्स जरूर लगाए, लेकिन वह 29 रन बनाकर

मेगन शट का शिकार बनीं। पिछले मैच में 96 रन की आतिशी पारी खेलने वालीं ऋचा घोष को वेयरहम ने 19 रन के स्कोर पर चलता किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला एकबार फिर फ्लॉप रहा और वह सिर्फ 3 रन ही बना सकीं। जेमिमा रोड्रिग्स ने 27 गेंदों पर 25 रन बनाए और वह एश्ले गार्डनर की गेंद पर अलाना किंग को कैच देकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद भारतीय टीम की बैटर्स में पवेलियन लौटने की होड़ मच गई और देखते ही देखते पूरी टीम 148 रन बनाकर ढेर हो गई। गेंदबाजी में कंगारू टीम की ओर वेयरहम ने तीन और अलाना किंग, मेगन शट ने दो-दो विकेट झटके। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को फोबे लिचफील्ड और एलिसा हीली ने धमाकेदार शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 28.5 ओवर में 189 रन जोड़े। हीली ने 85 गेंदों पर 82 रन की दमदार पारी खेली, तो लिचफील्ड के बल्ले से वनडे क्रिकेट का दूसरा शतक निकला। लिचफील्ड ने 125 गेंदों का सामना करते हुए 119 रन की यादगार पारी खेली।

दीप्ति शर्मा ने लगाया विकेटों का शतक

भारतीय स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। दरअसल, वनडे में विकेटों का शतक लगाकर दीप्ति ने इतिहास रच दिया है। वह महिला वनडे में 100 विकेट लेने वाली चौथी महिला गेंदबाज बन गई हैं। बता दें कि, दीप्ति शर्मा ने ये कारनामा 86वें मैच में किया है। उनसे पहले भारत के लिए 100 या उससे ज्यादा विकेट लेने का कारनामा नूशिन अल खादीर, नीतू डेविड और झूलन गोस्वामी ने किया है। झूलन ने जहां अपने करियर में 225 शिकार किए। वहीं, डेविड ने 141 और खादीर ने 100 विकेट अपने नाम किए।

अडानी समूह को मिली 'सुप्रीम' राहत

» कोर्ट का सेबी की जांच में दखल से इनकार
» हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर दिया फैसला, तीन महीने में जांच पूरी करने के आदेश
» गौतम अडानी ने कहा- सत्यमेव जयते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अडनी समूह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दरअसल, उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह नियामकीय व्यवस्था के दायरे में नहीं आ सकता और हिंडनबर्ग की रिपोर्ट या ऐसी कोई भी चीज अलग से जांच के आदेश का आधार नहीं बन सकती। अदालत ने कहा कि सेबी आगे बढ़ेगा और कानून के अनुसार अपनी जांच जारी रखेगा।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह साबित करने का कोई आधार नहीं है कि सेबी ने कदम उठाने में ढिलाई बरती। इसके अलावा, अदालत ने कहा कि वर्तमान में मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने का कोई आधार नहीं है। फैसले में आगे कहा गया है कि सरकार और सेबी शॉर्ट-सेलिंग पर हिंडनबर्ग की आरे से लगाए गए कानून के उल्लंघन के आरोपों, यदि कोई हो, की जांच करेंगे और इस मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। इस फैसले के बाद गौतम अडानी नेकहा सत्यमेव जयते।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनाया फैसला

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की तीन जजों की बेंच ने यह फैसला सुनाया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सेबी को एफपीआई और एलओडीआर नियमनों पर उसके संशोधनों को रद्द करने का निर्देश देने के लिए कोई वैध आधार नहीं है। सेबी ने 22 में से 20 मामलों में जांच पूरी कर ली है। सॉलिसिटर जनरल के आश्वासन को ध्यान में रखते हुए, हम सेबी को अन्य दो मामलों में 3 महीने के भीतर जांच पूरी करने का निर्देश देते हैं।

अदाणी समूह के शेयरों में दिखी तेजी

इससे पहले हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट से अनुकूल फैसला आने की उम्मीद में अदाणी समूह के शेयरों में बुधवार को 10 प्रतिशत तक की तेजी आई। 10 शेयरों के समूह में अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस सबसे अधिक 10प्रतिशत तक चढ़ गया, जबकि अदाणी टोटल गैस 8त्न और एनडीटीवी के शेयर 7प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी विल्मर, अदाणी एंटरप्राइजेज और अदाणी पावर के शेयर 5-6 की बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। अहमदाबाद स्थित समूह प्रमुख कंपनी अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में 3प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

अडानी समूह ये आरोप लगे थे?

24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग रिपोर्ट में आरोप लगे कि गौतम अडानी और उनके अडानी समूह ने अडानी कंपनियों के शेयरों में गलत तरीके से पैसे इन्वेस्ट कराए गए। इसके जरिए शेयरों की कीमतों में हेरफेर करके शेयरधारकों के साथ धोखा किया गया है। याचिकाकर्ताओं के वकील प्रशांत भूषण ने मांग की थी कि अडानी कंपनियों के शेयरों में हुए निवेश की जांच के साथ ये भी देखा जाए कि किसे क्या फायदा दिलाया गया. सेबी जांच ठीक से नहीं कर रही है और इस मामले को एसआईटी को ट्रांसफर करने का आदेश मिलना चाहिए।

राजधानी में बारिश ने और बढ़ाई ठिठुरन

» ठंड से कांपा यूपी शीतलहर का अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पिछले दस दिनो से पूरा प्रदेश कोहरे व गलन से ठिठुर रहा है। बुधवार की सुबह भी कोहरे व बदरी से मौसम ठंडा बना हुआ था। पर सुबह से छाये घने बादल दिन चढ़ते-चढ़ते बरस गए। बारिश की वजह से ठंड में भी बढ़ोत्तरी हो गई। वहीं बारिश की वजह कार्यालय आने-जाने वालों को परेशानियों का समाना करना पड़ा। वैसे आज भी प्रदेश में गलन और कोहरा बरकरार है। वहीं पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता का असर बुंदेलखंड व विंध्य क्षेत्र में दिखने लगा है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक झांसी में मंगलवार को बूंदाबांदी हुई। अगले दो-तीन दिन तक प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों में भी हल्की बारिश-बूंदाबांदी के आसार हैं। इन सबके बीच मंगलवार को आगरा, इटावा, झांसी, बरेली, शाहजहांपुर, बस्ती, हरदोई, कानपुर में कोल्ड डे कंडीशन रहीं। जबकि बनारस, प्रयागराज में अत्यधिक घना कोहरा रहा, यहां दृश्यता शून्य रही। फतेहगढ़ में

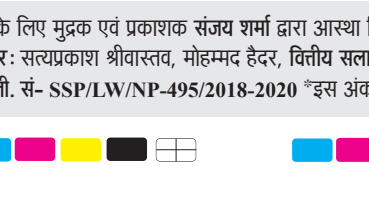

10 मीटर तक, बरेली में 20 मीटर, शाहजहांपुर, लखनऊ, हरदोई, बहराइच, फुर्सतगंज में दृश्यता 50 मीटर के आसपास तक रही। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक गोंडा, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कानपुर देहात, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अयोध्या, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, जालौन, झांसी व आसपास के इलाकों में कोल्ड डे कंडीशन रहीं।

असम में बस और ट्रक के बीच भीषण टक्कर, 14 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोलाघाट। असम के गोलाघाट जिले के डेरगांव इलाके के पास आज (3 जनवरी) सुबह एक बस और ट्रक के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 25 से ज्यादा लोग घायल हो गए। गोलाघाट के एसपी राजेन सिंह ने जानकारी दी कि यह दुर्घटना गोलाघाट के डेरगांव के पास बलिजान इलाके में सुबह करीब 5 बजे हुई।

जानकारी के मुताबिक,बस में 45 लोग सवार थे। जोरहाट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के एक वरिष्ठ डॉक्टर ने संवाददाताओं को बताया कि इस दुर्घटना में घायल 30 लोगों का इलाज चल रहा है। बस पिकनकि के लिए गोलाघाट के कमरगांव से तिनसुकिया जिले के तिलिंगा मंदिर जा रही थी तभी सुबह करीब 4:30 बजे सड़क पर ट्रक से टकरा गई। पुलिस ने जानकारी दी कि ट्रक गलत दिशा में जोरहाट दिशा से आ रहा था। बस सही रास्ते पर थी। दोनों वाहन तेज गति में थी।

जनाधिकार सेना ने भाजपा नेता पर लगाया धोखाधड़ी का आरोप

» महिला बन फॉलोअर बढ़ाने, फिर असल पुरुष रूप में आने के आरोप
» पार्टी अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने एफआईआर दर्ज करने की उठाई मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने मुरादाबाद के एक बीजेपी नेता वाई पी सिंह पर महिला बन कर ट्विटर अकाउंट खोलने, कई महीनों तक स्वयं को महिला के रूप में प्रस्तुत कर तमाम उन्मादपूर्ण टिप्पणियां करने, बाद में अपने असल पुरुष रूप में आने तथा इन बातों के सार्वजनिक हो जाने पर अचानक से अकाउंट डिलीट कर देने के गंभीर आरोपों के संबंध में एफआईआर दर्ज किए जाने हेतु प्रार्थनापत्र दिया है।

उन्होंने इस संबंध में थाना गोमतीनगर, लखनऊ और थाना सिविल लाइन मुरादाबाद दोनों जगह प्रार्थनापत्र भेजा है और इनकी प्रति डीजीपी यूपी को भी भेजी है। शिकायत में बीजेपी के पूर्व राज्य सचिव वाई पी सिंह पर पहले डा. श्वेता मिश्रा नाम से @ISwetaMishrav ट्विटर हैंडल के साथ ट्विटर पर अकाउंट खोल कर स्वयं को लगातार महिला दर्शाने और बाद में अच्छी फॉलोइंग हों जाने पर चुपके से ट्विटर हैंडल का नाम @ISwetaMishrav से बदल कर @YPsinghC कर अपने असल रूप में आने के आरोप हैं। शिकायत के अनुसार उनके अकाउंट के तमाम पुराने ट्वीट में महिला के रूप में प्रयुक्त शेरनी हूं, करती हूं, फॉलोबाक दूंगी, चाहती हूं, देखती हूं जैसे शब्द अभी भी मौजूद हैं। इस तथ्य के सार्वजनिक होने के बाद यह ट्विटर अकाउंट अचानक से डिलीट कर दिया गया। अमिताभ ठाकुर ने इसे गंभीर अपराधिकृत कृत्य बताते हुए तत्काल एफआईआर की मांग की है।

पलक झपकते ही ध्वस्त हुई निर्माणाधीन बिल्डिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के नाका थाना क्षेत्र में बारिश के बाद एक इमारत गिर गई। हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

गौरतलब हो कि कु छ दिनों पहले जापलिंग रोड का अलाया अपार्टमेंट भी गिर गया था जिसमे कुछ लोगों की मौत हो गई थी। ऐसा माना जा रहा था की एलडीए की मिलीभगत से यह अवैध बिल्डिंग तैयार हुई थी। सबसे अच्छी बात यह रही कि एसीपी प्रकाश चंद्र अग्रवाल की सूझबूझ से बड़ा हादसा होने से बच गया। उन्होंने पहले ही मकान को खाली करवा लिया था। यह बिल्डिंग नाका थाना क्षेत्र के आर्य नगर में बनी थी। उधर इतना बड़ा हादसा हो गया पर एलडीए व नगर निगम का कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।